रिपोर्ट मई 1982 में प्रस्तुत की है जिसमें बड़ौदा जिले के शिनौर तालुक में नर्मदा ताप विद्युत परियोजना (4× 500 मेगावाट) स्थापित किए जाने की परिकल्पना है। रेल द्वारा कोयले की ढुलाई में आने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए गुजरात बिजली बोर्ड को कोयले की ढुलाई समुद्री मार्ग से करने, परियोजना को समुद्र तट के पास स्थापित करने तथा बहु ईंधन बायलरों के उपयोग पर विचार करने की सलाह दी गई है।

फॉसजीन और मिक (एम० आई० सी०) गसों पर आधारित उद्योग

990. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में अब तक किन-किन स्थानों पर फॉसजीन और मिक जहरीली गैसों पर आधारित उद्योग स्थापित हैं और उनकी संख्या कितनी है;

(ख) क्या इन उद्योगी संयंत्रों में पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सुरक्षा प्रबंधों की निगरानी करने के लिए इनमें सुरक्षा कर्मियों का सूक्ष्म और कार्यकुशल दल तैनात किया गया है ?

रसायन और पैट्रोरसायन विभाग में राज्य मंत्री (श्री आर० के० जयचन्द्र सिंह) : (क) इस समय ऐसा कोई एकक प्रचालन में नहीं है जो अन्य उत्पादों के उत्पादन के लिए कच्चे माल के रूप में एम० आई० सी० का उपभोग कर रहा हो। देश में केवल अतुल प्राडक्ट्स लि०, बलसाद, गुजरात एक ऐसा एकक है जो फॉसजीन का उत्पादन कर रहा है। उन अनुसंधान प्रयोगशालाओं तथा औद्योगिक एककों के नाम तथा स्थान संलग्न विवरण में दिए गए हैं जिनको इस एकक ने फॉसजीन की आपूर्ति की।

(ख) और (ग) कारखाना अधिनियम के उपबन्धों के अधीन कारखानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं पर निगरानी रखना राज्य सरकारों का कार्य है, जिन्हें सलाह दी गयी है कि खतरनाक प्रक्रियाओं पर आधारित संयंत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित करने में कोई कमी न रखें। इसमें ये शामिल होंगे—टास्क फोर्स/विशेषज्ञ दलों की सिफारिशों पर अनुवर्ती कार्यवाही करना, जिन्हें गठित करने के लिए उनसे अनुरोध किया गया है ताकि वे उन औद्योगिक एककों का सर्वेक्षण तथा शिनाख्त करें जो खतरनाक रसायनों का उत्पादन करते हैं या उन का व्यापार करते हैं, बहु-उद्देश्यीय निरीक्षण अभिकरण की स्थापना करना जो खतरों के सभी सुरक्षा पहलुओं का ध्यान रखेगा, पर्यावरणात्मक पहलू तथा ऐसे अभिकरण में बाहरी विशेषज्ञों को शामिल करने सहित, निरीक्षण-सूची में शामिल करने के लिए संकट वाले क्षेत्रों की शिनाख्त करना ताकि ऐसे एकक के निरीक्षण को अर्थपूर्ण तथा प्रभावी बनाने के लिए नियमित निरीक्षण अभिकरणों की सहायता की जा सके, यह सुनिश्चित करना कि सभी खतरनाक रसायनों को चाहे वे प्रपुंज भण्डारण में हों या बन्द संयंत्रों में प्रक्रियाओं में, प्रबन्धकों द्वारा तत्काल निपटा दिया जाए।

सुरक्षा कार्मिकों की नियुक्ति का मामला सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के मामले में उठता है। सुरक्षा कार्मिक किन्हीं दंगों, फिसादों के मामले में सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपस्कर की सुरक्षा के लिए होते हैं। परन्तु वे संयंत्र प्रचालनों या सुरक्षा व्यवस्थाओं पर निगरानी नहीं रखते।

विवरण

फॉसजीन पर आधारित उद्योगों की सूची

क्रमांक	उद्योग का नाम	स्थान
1.	सुकान कैमिकल्स	अहमदाबाद
2.	युनाइटेड कैमि०	बड़ौदा
3.	जे० कैम० इंडस्ट्रीज	अहमदाबाद
4.	आर्गेनो कैम० इंडस्ट्रीज	अहमदाबाद
5.	अलेम्बिक कैम० वर्क्स	बड़ौदा

क्रमांक	उद्योग का नाम	स्थान
6	एस०जी०कैम०एन० डेज	रनौली
7	एस०जी०फार्मास्युटिकल्स (इंडियन डेजटफ इंड०)	रनौली
8	लूपिन लेबोरेटरीज	अंकलेश्वर
9	स्पेन कैमिकिल्स	वापी
10	अमर डिचैम लि०	बम्बई
11	जेनीलाइन डिसटफस एण्ड फार्मा.	थाणे
12	बुरोज वेलकम एण्ड कं०	बम्बई
13	कैमिक्विप लि०	बम्बई
14	हेक्स्ट फार्मास्युटिकल्स	बम्बई
15	यूनी-यूसीवी प्रा० लि०	बम्बई
16	जेमिनथ डिचैम लि०	बम्बई
17	हिन्दुस्तान सीबा-गिगि	बम्बई
18	सेमी कैमिकल्स प्रा० लि०	बम्बई
19	कपिल प्रोडक्टस	बम्बई
20	साहिद्री डिसटफ (नवीन कैमिकिल्स)	दिवाम
21	नेशनल कैम, लेबोरेटरीज	पूना
22	प्रीमायर डेस कार्पोरेशन	थाणे
23	हैक्सेजोन लेबोरेटरीज	बम्बई
24	रैलीज इंडिया लि०	थाणे
25	श्रीराम इंडस्ट्रीज	दिल्ली
26	न्यूचेम प्लास्टिक्स	फरीदाबाद
27	सैंट्रल ड्रग रिसर्च इन्सटीच्यूट	लखनऊ
28	इंडियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स लि०	हैदराबाद
29	ड्रसन ड्रग्स लि०	हैदराबाद
30	रिजनल रिसर्च लेबोरेटरीज	हैदराबाद

Supply of boilers for Farakka Thermal Power Station

991. SHRI ASHWANI KUMAR: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the order for the supply of two boilers for Frakka Thermal Power Station which had been given to BHEL has been cancelled and given to a foreign Italian firm ANSALDO;

(b) whether it is also a fact that BHEL had won this contract against Global tender and approved by World Bank; and

(c) if so, what are the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) The order for supply of two boilers of 500 MW each in respect of expansion stage of the Farakka Super Thermal Power Project was not given to M/s. Bharat Heavy Electricals Ltd.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

बायोगैस संयंत्रों की स्थापना

992. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1984-85 के दौरान संघराज्य क्षेत्र दिल्ली और मध्य प्रदेश में बायोगैस संयंत्र स्थापित करने का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था ;

(ख) मध्य प्रदेश में कितने संयंत्र स्थापित होने के पश्चात् चालू हो चुके हैं ; और

(ग) इन संयंत्रों की स्थापना पर कुल कितना व्यय हुआ है और इस कार्य के लिए केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार को कितना योगदान दिया है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री बसन्त साठे) : (क) वर्ष 1984-85 के दौरान मध्य प्रदेश के लिए 7500 बायोगैस संयंत्रों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया था और संघ प्रशासित क्षेत्र दिल्ली के लिए 140 संयंत्रों का लक्ष्य था ।